

प्रेषक,

सूर्य मोहन नौटियाल,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
खेल निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

खेलकूद अनुभाग

देहरादून : दिनांक : 01 सितम्बर
अगस्त, 2017

विषय:- विभिन्न क्रीड़ा संघों, क्लबों एवं संस्थाओं आदि को प्रतियोगिताओं के आयोजन एवं क्रीड़ा उपस्कर क्रय हेतु अनुदान प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-296/प्रदे0की0सं0अनु0पत्रा0/2017-18, दिनांक 07 जून, 2017 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2017-18 हेतु अनुदान संख्या-11-लेखाशीर्षक-2204-खेलकूद तथा युवा सेवायें-00-104-खेलकूद के अन्तर्गत-12-प्रदेशीय क्रीड़ा संघों, क्लबों एवं अन्य क्रीड़ा संघों आदि को प्रतियोगिताओं के आयोजन करने एवं खेलकूद उपस्कर कय हेतु अनुदान-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता मद के आय-व्यय के माध्यम से आवंटित धनराशि के सापेक्ष तालिका में कमांक-1 पर अंकित कु0 निर्मला को क्रमशः ₹1.80 लाख एवं कमांक-2 पर अंकित श्री राजेन्द्र सिंह को ₹1.50 लाख इस प्रकार कुल ₹3.30 लाख (₹ तीन लाख तीस हजार मात्र) की धनराशि निम्न विवरणानुसार उपलब्ध कराये जाने की श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

क्र.सं	संघ/संस्था/क्लब आदि का नाम	प्रयोजन	धनराशि
1	कु0 निर्मला, बाजपुर, ऊधमसिंह नगर।	स्पोर्ट्स व्हील चेयर कय किये जाने हेतु	₹1.80 लाख
2	श्री राजेन्द्र सिंह, देहरादून।	स्पोर्ट्स पिस्टल कय किये जाने हेतु	₹1.50 लाख
योग			₹3.30 लाख

(₹ तीन लाख तीस हजार मात्र)

2- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबंध में साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय, साथ ही जिन मदों के लिए बजट मैन्युअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय करने के पूर्व शासन/संबंधित अधिकारी की स्वीकृति भी अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाय। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। मदवार व्यय करते समय मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों एवं अन्य संगत प्राविधानों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय तथा वास्तविक व्यय के आधार पर ही आहरण/व्यय किया जाय।

3- उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय। योजना संबंधी शासनादेश संख्या-408/VI-I/2009, दिनांक 30 नवम्बर, 2009 एवं इस विषय पर समय-समय पर जारी अन्य दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय तथा समिति के सम्मुख प्रस्ताव रखते समय प्राथमिकताओं को भी इंगित करते हुए अनुमोदन प्राप्त किया जाय।

4- धनराशि उसी मद में व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा, ऐसा व्यय सम्बन्धित अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। स्वीकृत धनराशि के व्यय के विवरण शासन तथा महालेखाकार को नियमित रूप से भेजे।

5- उक्त अनुदान के सम्बन्ध में वित्तीय हस्तपुस्तिका (खण्ड-5) भाग-1 के अध्याय-16-क-अनुच्छेद-369 के सुसंगत प्राविधानों उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली एवं अनुदान सम्बन्धी विद्यमान अन्य संगत शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

6- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2017-18 में अनुदान संख्या-11 के लेखाशीर्षक-2204-खेलकूद तथा युवा सेवायें-00-104-खेलकूद के अन्तर्गत-12-प्रदेशीय कीड़ा संघों, क्लबों एवं अन्य कीड़ा संघों आदि को प्रतियोगिताओं के आयोजन करने एवं खेलकूद उपस्कर कय हेतु अनावर्तक अनुदान-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता मद के आय-व्यय के माध्यम से के नामें डाला जायेगा।

भवदीय,

(सूर्य मोहन नौटियाल)
अपर सचिव।

संख्या- 425 /VI /2017-5(9)2008-T.C-Ist(2016), तददिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड, ओबराय बिल्डिंग, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा0 खेल मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
3. जिलाधिकारी, देहरादून/ऊधमसिंह नगर।
4. जिला कीड़ा अधिकारी, देहरादून/ऊधमसिंह नगर।
5. वित्त अधिकारी, साइबर कोषागार, देहरादून।
6. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
7. बजट राजकोषीय संसाधन निदेशालय, देहरादून।
8. संबंधितगण हेतु।
9. एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
(दिनेश कुमार पुनेठा)
अनु सचिव।